



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 26 मई, 2004/5 ज्येष्ठ, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त चम्बा जिला चम्बा (हि० प्र०)

कार्यालय आदेश

चम्बा-176310, 15 मई, 2004

संख्या पंच चम्बा (ए) (16) 10/79-2002-II-130-37:—जैसा कि चैन लाल, सदस्य, वाई तड़ौली ग्राम पंचायत उदयपुर, विकास खण्ड चम्बा ने गांव तड़ौली में खसरा संख्या 1424/529, 1478/1/1316, 1478/2/1316, 1478/3/1316, 1098/1 में रकबा 0-1, 0-6, 12, 0-2-8, 0-1-4, 0-1 नियमितीकरण के लिये मामला तहसीलदार चम्बा को प्रस्तुत किया था व इस रकबा को नियमित करने वारे राज्य सरकार को योजना के अन्तर्गत वर्ष 2002 में प्रार्थना-पत्र भर कर दिया है। इस मामले की जांच तहसीलदार चम्बा द्वारा की गई है, जांच में पाया गया कि श्री चैन लाल, सदस्य, ग्राम पंचायत उदयपुर ने अवैध कब्जा कर रखा है।

इस सम्बन्ध में कार्यालय के कारण बतायी नोटिस संख्या पंच-चम्बा-1493 दिनांक 24-3-2004 द्वारा श्री चैन लाल, सदस्य, ग्राम पंचायत उदयपुर को अपना पक्ष स्पष्ट करने हेतु 15 दिनों का मौका दिया था परन्तु दी गई समय सीमा के भीतर उनका कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे स्पष्ट है कि उन्होंने सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किया हुआ है व अपने पद पर बने रहने के आयोग्य हो गए हैं।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा0 प्र0 से0) उपायुक्त चम्बा, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) (क) तथा धारा 131(2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री चैन लाल, सदस्य, वार्ड-5 तड़ौली, ग्राम पंचायत उदयपुर, विकास खण्ड चम्बा का सदस्य पद रिक्त घोषित करते हुए उन्हें आदेश देता हूँ यदि उनके पास ग्राम पंचायत उदयपुर का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी उदयपुर को सौंप दें।

चम्बा-176310, 15 मई, 2004

संख्या पंचायत-चम्बा-ए(16)10/79-2002-II-138-47.—जैसा कि खण्ड विकास अधिकारी भरमौर के पत्र संख्या 1885, दिनांक 14-10-2003 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्री विनोद कुमार, वार्ड-5 सदस्य, ग्राम पंचायत भरमौर व विकास खण्ड भरमौर के दिनांक 9-6-2003 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत भरमौर के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण सं0 के क्र0 सं0 दिनांक के अन्तर्गत दर्ज हुई है जिसके मुताबिक श्री विनोद कुमार, सदस्य वार्ड-5 ग्राम पंचायत भरमौर की यह चौथी जीवित सन्तान है जो हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड "ण" के प्रावधान लागू होने की दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्री विनोद कुमार सदस्य वार्ड-5 ग्राम पंचायत भरमौर के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा(ए)(16)10/79-2002-II-1473-1479, दिनांक 24-3-2004 द्वारा श्री विनोद कुमार, सदस्य वार्ड-5 ग्राम पंचायत भरमौर को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया था परन्तु उनसे कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करते हैं।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा0 प्र0 से0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) (क) तथा धारा 131(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री विनोद कुमार, सदस्य वार्ड-5, ग्राम पंचायत भरमौर विकास खण्ड भरमौर जिला चम्बा के पद पर आसीन रहना समाप्त करता हूँ तथा वार्ड-5 ग्राम पंचायत भरमौर विकास खण्ड भरमौर के सदस्य पद को पदरिक्त घोषित करते हुए उन्हें आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत भरमौर का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी भरमौर को सौंप दें।

चम्बा-176310, 15 मई, 2004

संख्या पंचायत-चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-148-55.—जैसे की खण्ड विकास अधिकारी सलूणी के पत्र संख्या 5161, दिनांक 8-3-2004 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्री डोगरा, सदस्य वार्ड-1 ग्राम पंचायत पंजेई, विकास खण्ड सलूणी के दिनांक 25-11-2003 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत पंजेई के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण सं0 के क्र0 सं0 दिनांक के अन्तर्गत दर्ज है जिसके मुताबिक श्री डोगरा, सदस्य, वार्ड-1 ग्राम पंजेई, पंचायत की यह आठवीं जीवित सन्तान है जो कि हि0 प्र0 पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड "ण" के प्रावधान लागू होने की दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्री डोगरा, वार्ड-1 सदस्य, ग्राम पंजेई के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा (ए) 10-79-2002-II-1480-1487, दिनांक 24-3-2004 द्वारा श्री डोगरा, सदस्य, वार्ड-1, ग्राम पंचायत पंजेई को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया था,

परन्तु उनसे कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करते हैं।

अतः मैं, राहुल आन्नद (भा0 प्र0 से0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) तथा धारा-131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री डोगरा, वार्ड-1, सदस्य, ग्राम पंचायत पंजेई, विकास खण्ड सलूणी, जिला चम्बा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा वार्ड-5 ग्राम पंचायत पंजेई सलूणी सदस्य के पद को रिक्त घोषित करते हुए उन्हें आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत पंजेई का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, पंजेई को सौंप दें।

चम्बा-176310, 15 मई, 2004

संख्या पंचायत-चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-156-63.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी, सलूणी के पत्र सं0 शून्य, दिनांक शून्य के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्री गेगल, वार्ड-3, सदस्य ग्राम पंचायत खड़जोता, विकास खण्ड सलूणी के दिनांक 28-9-2003 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत खड़जोता के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण सं0 के क्रम सं0 दिनांक के अन्तर्गत दर्ज है जिसके मुताबिक श्री गेगल ग्राम पंचायत खड़जोता की यह पांचवीं जीवित सन्तान है जो हि0 प्र0 पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड “ण” के प्रावधान लागू होने की दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्री गेगल, वार्ड-3, सदस्य ग्राम पंचायत खड़जोता के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या-पंच-चम्बा (ए) (6) 10-79-2002-II-1458, दिनांक 24-3-2004 द्वारा श्री गेगल, वार्ड-3, सदस्य ग्राम पंचायत खड़जोता को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था, परन्तु उनसे कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करते हैं।

अतः मैं, राहुल आन्नद (भा0 प्र0 से0), हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) तथा धारा-131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री गेगल, सदस्य वार्ड-3, ग्राम पंचायत खड़जोता, विकास खण्ड सलूणी, जिला चम्बा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा वार्ड सदस्य-3, ग्राम पंचायत खड़जोता, विकास खण्ड सलूणी के पद को रिक्त घोषित करते हुए तथा उन्हें आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत खड़जोता का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, खड़जोता को सौंप दें।

चम्बा-176 310, 15 मई, 2004

संख्या पंचायत-चम्बा-ए0 (16) 10/79-2002-II-163-70.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी सलूणी के पत्र सं0 शून्य, दिनांक शून्य के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया है कि श्री बलदेव, सदस्य वार्ड, हलेला-I, ग्राम पंचायत खड़जोता, विकास खण्ड सलूणी के दिनांक 15-8-2003 को एक अतिरिक्त सन्तान पैदा हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत खड़जोता के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण सं0 शून्य के क्र0 सं0 शून्य, दिनांक शून्य के अन्तर्गत दर्ज हैं जिसके मुताबिक श्री बलदेव, सदस्य वार्ड हलेला, ग्राम पंचायत खड़जोता की यह चौथी जीवित सन्तान है जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड “ण” के प्रावधान लागू होने की दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्री बलदेव, सदस्य वार्ड हलेला, ग्राम पंचायत खड़जोता के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा (ए०) (16)-10/79-2002-II-1459-65, दिनांक 24-3-2004 द्वारा श्री बलदेव, वार्ड सदस्य, ग्राम पंचायत खड़जोता को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया था, परन्तु उनसे कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करते हैं।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा० प्र० से०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (2) (क) तथा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, श्री बलदेव, सदस्य वार्ड हलेला, ग्राम पंचायत खड़जोता, विकास खण्ड सलूणी, जिला चम्बा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा वार्ड हलेला, ग्राम पंचायत खड़जोता, विकास खण्ड सलूणी के सदस्य का पद रिक्त घोषित करते हुए उन्हें आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत खड़जोता का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी खड़जोता को सौंप दें।

चम्बा-176 310, 15 मई, 2004

संख्या पंचायत-चम्बा-ए० (16) 10/79-2002-II-171-78. - जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी चम्बा के पत्र सं० 1766, दिनांक 24-9-2003 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया है कि श्रीमती सीमा देवी, सदस्या, वार्ड ककेला, ग्राम पंचायत कोहलड़ी, विकास खण्ड चम्बा के दिनांक 1-7-2003 को एक अतिरिक्त सन्तान पैदा हुई है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत कोहलड़ी के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण सं० शून्य के क्र० सं० शून्य, दिनांक शून्य के अन्तर्गत दर्ज है जिसके मूलाविक श्रीमती सीमा देवी, सदस्या, वार्ड ककेला, ग्राम पंचायत कोहलड़ी को यह तीसरी जीवित सन्तान है जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड "ण" के प्रावधान लागू होने के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्रीमती सीमा देवी, सदस्या, वार्ड ककेला, ग्राम पंचायत कोहलड़ी के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा (ए०) (16) 10/79-II-1466-72, दिनांक 24-3-2004 द्वारा श्रीमती सीमा देवी, सदस्या, वार्ड ककेला, ग्राम पंचायत कोहलड़ी को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया था, परन्तु उनसे कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करते हैं।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा० प्र० से०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) तथा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, श्रीमती सीमा देवी, सदस्या, वार्ड ककेला, ग्राम पंचायत कोहलड़ी, विकास खण्ड चम्बा, जिला चम्बा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा वार्ड ककेला, ग्राम पंचायत कोहलड़ी, विकास खण्ड चम्बा का सदस्या पद रिक्त घोषित करते हुये उन्हें आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत कोहलड़ी का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त सचिव, ग्राम पंचायत कोहलड़ी को सौंप दें।

राहुल आनन्द,
(भा० प्र० से०),
उपायुक्त,
चम्बा, जिला चम्बा (हि० प्र०)।